भारत की कम्युनिस्ट पार्टी माओवादी (माओवादी)
पश्चिम रीजनल कमेटि

मुरमुरी एम्बुश को अंजाम देने वाले गुरिल्लाओं को लाल सलाम!

प्रेस विज्ञप्ति

फर्जी लोकसभा चुनावों का बहिष्कार करने वाली जनता पर दमन चलाते हुए जबरदस्ती मतदान करवाने राज्य पुलिस बल व सी'–60 कमाण्डो के साथ–साथ केन्द्र अर्ध सैनिक बलों का मुकाबला करते हुए चुनाव बहिष्कार में शामिल जनता की सुरक्षा प्रदान करने के दौरान हमारी पीएलजीए ने तोंडेरा फाटा के नजदीक किये हमले में सी–60 कमाण्डो गिरिधर आत्रम खतम हुआ और अन्य पांच जख्मी हुए। उसके बाद हमारी त्वरित कार्यवाही दस्ते ने ग्यारापत्ती मण्डाई में दिनदहाडे सी–60 कमाण्डो लाल्सू पुंगाटि को खतम करके एके–47 बंदूक और 164 जिंदा कारतूस जब्त किया। जिम्मलगट्टा, तेरेनार मंडाई और कोडगुल के एर्मुलकस्सा बाजारों में विठल कुडमेथे, रणबीर हलामी, जयकरण नामक तीन एसपीओं को हमारी त्वरित कार्यवाही दस्तों ने खतम किया। इसी सिलसिले को जारी रखते हुए मई 11 तारीख को चामोर्शि–गोट रोड पर मुरमुरी गॉव के नजदीक बारूदी सुरंग विस्फोट किये, जिसमें 7 सी–60 कमाण्डो कुत्ते की मौत मरे और दो गंभीर रूप से जख्मी हुये। इस अवसर पर हमारी पश्चिम रीजनल कमेटि जन युध्द में जनता के हित के लिए हिम्मत के साथ साहसिक हमला करने वाले पीएलजीए योध्दाओं को क्रांतिकारी बधाई दे रहे हैं। हम तमाम देशवासियों, बुध्दिजीवियों, पत्रकारों, लेखकों व कलाकारों से अनुरोध करते हैं कि गडचिरोली जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा साजिशपूर्ण व धोखेबाज तरीके से की जाने वाली फर्जी मुठभेड़ हत्याओं का खण्डन करें। बेतकाटि में हमारे सात साथियों की हत्या का राज उनके ही मुखबिर पप्पू यादव चिल्ला चिल्ला कर बता रहा है, जिस पर पुलिस अधीक्षक सुवेज हक चुप्पी साध बैठा है। हमारी प्यारी जनता से अनुरोध करते हैं कि ऐसी घृणित कार्यवाहियों का विरोध करें और गुरिल्लाओं को अपनी ऑख की पुतली के समान बचावें।

सी–60 कमाण्डो जवानों!

अपनी गड़चिरोली जिले में पिछले 35 सालों से क्रांतिकारी आंदोलन जारी है। क्रांतिकारी आंदोलन के विस्तार से अपने जिले के सैकड़ों गॉवों के आदिवासी किसान महिला एवं पुरुष जन संगठनों में संगठित हुए। आप जानते ही हैं कि ये सभी आपके अपने ही परिवार जन हैं! अपने आदिवासी बंधुओं ने पीढ़ियों से जारी शोषण और उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष छेड़े थे। ग्रामीण कबीलाई मुखियाओं के खिलाफ संघर्ष छेड़े। जन विरोधी अहेरी राज परिवार द्वारा जारी परंपरागत शोषण के खिलाफ संघर्ष किये। जोत जमीन के लिए संघर्ष किये। मजदूरी बढ़ाने के लिए संघर्ष किया। इस तरह जनता संघर्ष के द्वारा ही अनेक सुविधाओं को हासिल किया। पार्टी के आने के पहले अपने गॉवों व जनता की जिंदगी कैसी थी? इसके बारे में जरा सोचिये। अपने संघर्ष के जरिये उनकी जिंदगी में आई बदलावों के बारे में सोचिये। एक जून पेट भर खाना नहीं मिलने वाले परिवारों को याद कीजिये। शरीर ढांकने कपड़े न मिलने के कारण अधनंगे जिंदगी बिताई अपनी मॉ–बहनों की हालात को याद कीजिये। फारेस्ट अधिकारियों द्वारा तंग की दास्तानों के बारे में अपने बुजुर्गों से पूछिये। लुटेरे साहुकारों की लूट के बारे में पूछ लीजिये। इन 35 सालों में अपनी जिंदगियों में आई बदलावों के बारे में सोचिये। 1947 में आजादी के ढोंग रचने वाले राजनीतिक पार्टियों व नेताओं से सवाल पूछिये कि इतने सालों से अपनी आदिवासी जनता का विकास के लिए क्या किये थे? केन्द्र के ग्रामीण विकास मंत्री जयराम रमेश और वित्त मंत्री चिदंबरम बेशर्मी से कबूल रहे हैं कि आजादी के 60 सालों में आदिवासियों की अनदेखी हुई है। यह बात आपके आला अधिकारी बखूबी जानते हैं। लेकिन इन तमाम सच्चाइयों पर परदा डालते हुए हमें विकास विरोधी तथा खुद को देशभक्त होने का दंभ भर रहे हैं। देश के लिए लड़ मरने आपको उकसा रहे

हैं। इनकी बातों में जरा सा भी सच्चाई नहीं है। आप गॉवों में आकर जनता से सच्चाई का पता कीजिये। आखिरकार आपको सी–60 कमाण्डो बनाये क्यों हैं? अत्यंत नवीनतम हथियार आपके हाथ थमाये क्यों हैं? आपको अपने ही आदिवासी जनता के खिलाफ क्यों उकसा रहे हैं? किनके आदेशों पर आप अपने ही भाई–बंधुओं को गिरफ्तार कर रहे हो? मारपीट कर रहे हो? असहनीय यातनायें देते हुए जेल में बंदी बना रहे हो? आदिवासी जनता को फर्जी मुठभेड़ों में कत्ल कर रहे हो? आदिवासी महिलाओं पर अमानवीय अत्याचार करनेवालों को नागरिक समाज में कौन सा दर्जा मिलता है–इसके बारे में कभी सोचे हो? सी–60 कमाण्डो के नाम से ही जनता नफरत क्यों कर रही है? मोतीराम, गंगाराम सिडाम, रामा कुडमेथे, सुक्कु विडिपि, विनोद हिचामी, कोको नरोटे, मुन्ना ठाकुर के नाम से ही जनता घृणा क्यों करती है? आपको ऐसा तैयार करने वाले कौन है... इसके बारे में आपने कभी सोचा है क्या?

क्रांतिकारी आंदोलन के वजह से ही आपको पढ़ाई करने का मौका मिला। नौकरियॉ मिली। आपकी जिंदगियों में बदलाव आया। ये बात आप जानते ही हैं कि क्रांतिकारी आंदोलन के जरिये ही गड़चिरोली जिले में कई सारे बदलाव आये हैं। जनता जी–जान से लड़कर ही अपनी जिंदगियों को बदल रही है। अपना विकास के लिए वो लड़ रही हैं। जल–जंगल–जमीन पर अधिकार तथा इज्जत से जीने का अधिकार के लिए वो लड़ रही हैं। जनता के इन आंदोलनों को दबाने के लिए या कुचलने के लिए आप कमाण्डो में भर्ती हुए। धन कुबेरों व लुटेरे शासक वर्गों के हितों के लिए आप क्यों हथियार उठाये हो? सूर्जागढ़, दमकोडी इत्यादि जगहों की जनता के जमीनों व संपत्तियों को कब्जा करने के लिए आप क्यों खाकी वर्दी पहने हो? इस सच्चाई को आप मानेंगे कि आपके हर काम जनता के खिलाफ है और लुटेरे शासक वर्गों के लिए फायदेमंद है। आपके आला अधिकारी रवींद्र कदम हो या सुवेज हक इन सच्चाइयों के बारे आपको कभी नहीं बतायेंगे। आपके आला अधिकारी सत्यपालसिंह इस बार रंग बदलकर भाजपा का उम्मीदवार बनने की बात पर गौर करने से पता चलेगा कि ये तमाम अधिकारी किस वर्ग से जन्मे हैं या किस वर्ग के हितों के लिए वे काम करते हैं। उनके लिए आप अपनी जनता, जनता के लिए लड़ने वाले जन छापामारों व जन युध्द से टक्कर ले रहे हो! आपकी जान दांव पर लगाकर लुटेरे शासक वर्गों को बचा रहे हो? आप मारे जाने से आपके परिवार जनों के हाथ में थोड़ा बहुत रकम थमाकर अपना हाथ झाड़ लेते है। आपके परिवार को जो नुकसान हो रहा है उसकी भरपाई पैसों से होगा? आप किस के लिए जान दोगे? अपनी जान क्यों गंवाओगे? आपकी मृत्यु पंख से भी हल्का है। आपकी मृत्यु की खबर सुनकर जनता खुश क्यों हो रही है? मुन्ना ठाकुर, मोतीराम, रामा कुडमेथे, कोको नरोटे, विनोद हिचामी जैसे क्रूर कमाण्डो अधिकारी मर जाने से अच्छा है करके जनता क्यों सोच रही है? आपकी जिंदगी के लिए कोई लक्ष्य नहीं है। आपके बलिदान व्यर्थ हैं। आपकी जिंदगी की कोई कीमत नहीं है। ऐसी जिंदगी व नौकरी को छोड़कर जनता व अपने परिवार जनों के साथ मिलकर खुशी की जिंदगी बिताइये। अनावश्यक आपकी जान मत गंवाइये।

पिछले 35 सालों से हम शोषित जनता के लिए लड़ रहे हैं और आगे भी यह लड़ाई जारी रहेगा। लुटेरे समाज को बदलना हमारा लक्ष्य है। जनता को रोटी, कपड़ा, मकान और आत्म सम्मान मिले इसके लिए हम लड़ रहे हैं। इसके लिए हंसते हंसते अपनी जान की कुरबानी कर रहे हैं। दुनिया का सर्वहारा वर्ग व शोषित जनता हमारे बलिदानों को उंचा उठाते हुए हमारे संघर्ष को मदद दे रहे हैं। हमारा युध्द न्यायपूर्ण है। यह जन युध्द है। जन युध्द रथ के पहिये को रोकने का व्यर्थ व मूर्खतापूर्ण प्रयास मत करो। आप हमारी जनता के खिलाफ युध्द मत छेड़िये। कमाण्डो नौकरियों से इस्तीफा दीजिये। नव जीवन योजना ढोंग व धोखेबाज है। वह लूटखोर जीवन योजना है। आप सचमुच अच्छी जिंदगी जीना चाहोगे तो कमाण्डो की नौकरी छोड़ दीजिये। जनता के साथ मिलकर निर्भीक होकर सम्मानपूर्ण जिंदगी बिताइये। हमारी विज्ञप्ति को स्वीकार कीजिये। हम कदापि नहीं चाहते हैं कि आपकी मौत हो। सोच लीजिये... उचित निर्णय लीजिये।

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ

प्रवक्ता

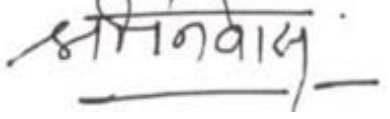

श्रीनिवास

पश्चिम रिजनल कमेटी – गडचिरोली

दिनांकः 10 मई 2014